चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 24.2.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2.....

एचएयू के एबिक की बेकरी व कांफेन्शनरी यूनिट का कुलपति ने किया उद्घाटन

हाईटेक मशीनरी सिस्टम से बनेंगे स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

भास्कर न्यूज. हिसार

एचएयू में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नये आयाम दे सकते हैं। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट के उद्घाटन पर बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट मौजूद रही।

एचएयू के एबिक में स्थित बेकरी व कांफेन्शनरी यूनिट का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एबिक स्टार्टअप्स में छिपे हुए इसी हुनर को निखारने में मदद करता है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया कि नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया। बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टेक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विवि के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं एबिक की टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 24.2.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-8.....

हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है : वीसी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) स्थित एबिक की बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट का मंगलवार को कुलपति प्रो. समर ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा मौजूद रही। कुलपति ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एबिक स्टार्टअप्स में छिपे हुए इसी हुनर को निखारने में मदद करता है।

विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया कि नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि

एचएयू के एबिक में स्थित बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट का उद्घाटन करते कुलपति।

हकृवि में एबिक की बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट का उद्घाटन

वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें।

आधुनिक मशीनरी सिस्टम से बनेंगे स्वास्थ्य वर्धक उत्पाद

बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टेक्निकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट में आधुनिक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्य वर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटीरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक सवेरा ....

दिनांक 24.2.2021 पृष्ठ संख्या ....7.... कॉलम ....2-8....

विवि कुलपति ने कहा, स्टार्टअप्स को नए आयाम देने के लिए प्रयासरत है एबिक

हकृवि स्थित एबिक की बेकरी व कन्फैक्शनरी यूनिट का उद्घाटन

हकृवि के एबिक में स्थित बेकरी व कांफैशनरी यूनिट का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफैसर समर सिंह व अन्य।

हिसार, 23 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को में एबिक की बेकरी व कन्फैक्शनरी यूनिट के उद्घाटन किया गया। इस मौके पर मुख्यातिथि विवि कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने कहा कि हकृवि स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर संभव प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सैंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं।

इस मौके पर नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट मौजूद रही। मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एबिक स्टार्टअप्स में छिपे हुए इसी हुनर को निखारने में मदद करता है। यही कारण है कि एग्री बिजनैस इन्क्यूबेशन सैंटर इसी मिसाल को कायम करते हुए अपने निरंतर अनथक प्रयासों के कारण ही उन्नत समाज का एक अहम हिस्सा और जरूरत बन चूका है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया की नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। इसी दिशा में नाबार्ड की सहायता से एग्री बिजनैस इनक्यूबेशन सैंटर एग्री और एग्री एलाइड सैक्टर्स में स्टेटस को एक नया आयाम दे रहा है।

स्वास्थ्य व स्वाद समाज की जरूरत

एबिक की नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसैसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजैक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें।

हाईटैक मशीनरी सिस्टम से बनेंगे स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टैक्निकल मैनेजर अरि्पत तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टैक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक 24.2.2021 ....पृष्ठ संख्या......3............कॉलम......4-8..........

एचएयू में 35 लाख से लगी कन्फेक्शनरी यूनिट, युवा ले सकते हैं प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट का शुभारंभ हुआ। इस यूनिट को 35 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस यूनिट से स्टार्ट-अप करने वाले युवा अपने प्रोडक्ट बनवा भी सकते हैं और प्रशिक्षण भी ले सकते हैं।

इस बेकरी के माध्यम से खुद भी एबिक नए-नए प्रोडक्ट तैयार कर रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने कहा कि एबिक में स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है।

स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

नाबार्ड स्टार्टअप की कर रहा मदद: कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा बतौर विशिष्ट मौजूद रही। उन्होंने कहा कि नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। इसी दिशा में नाबार्ड की सहायता से एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एग्री और एग्री एलाइड सेक्टर्स में स्टेटस को एक नया आयाम दे रहा है।

एचएयू के एबिक में स्थित बेकरी व कांफेन्शनरी यूनिट का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य । ● जागरण

स्वास्थ्य व जायका समाज की जरूरत

एबिक की नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे।

एचएयू स्थित एबिक की बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट का उद्घाटन

हाईटेक मशीनरी सिस्टम से बनेंगे स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। उन्होंने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डा. बीआर कंबोज मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**23.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स को नए आयाम देने के लिए प्रयासरत है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू स्थित एबिक की बेकरी व कंफेक्शनरी यूनिट का उद्घाटन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 23 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नये आयाम दे सकते हैं। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की बेकरी व कंफेक्शनरी यूनिट के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट

मौजूद रही। मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेंटर इसी मिसाल को कायम करता है और अपने निरंतर अनथक प्रयासों के कारण ही उन्नत समाज का एक अहम हिस्सा और जरूरत बन चुका है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया की नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। इसी दिशा में नाबार्ड की सहायता से एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एग्री और एग्री एलाइड सेक्टर्स में स्टेटस को एक नया आयाम दे रहा है। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टैक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं एबिक की टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**23.02.2021**	--	--

समस्त हरियाणा मंगलवार, 23 फरवरी, 2021

स्टार्टअप्स को नए आयाम देने के लिए प्रयासरत है एबिक : प्रो. समर सिंह

एचएयू स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट का उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार

की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नये आयाम दे सकते हैं। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट मौजूद रही।

मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एबिक स्टार्टअप्स में छिपे हुए इसी हुनर को निखारने में मदद करता है। यही कारण है कि एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर इसी मिसाल को कायम करते हुए अपने निरंतर अनथक प्रयासों के कारण ही उन्नत समाज का एक अहम हिस्सा और जरूरत बन चुका है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया की नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है।

स्वास्थ्य व स्वाद समाज की जरूरत : एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**23.02.2021**	--	--

हुनर सभी में होता है, किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है: समर सिंह

हकृवि में बेकरी व कॉन्फैक्शनरी यूनिट का उद्घाटन

हिसार/23 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नये आयाम दे सकते हैं। यह विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की बेकरी व कॉन्फैक्शनरी यूनिट के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा भी मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है, किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया कि नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत हैं। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग

और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकें। बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टैक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टैक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट में हाईटैक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रैड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रैड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज आदि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**23.02.2021**	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट का उद्घाटन

स्टार्टअप्स को नए आयाम देने के लिए प्रयासरत है एबिक : प्रोफेसर समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकते हैं। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट मौजूद रही। मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एबिक स्टार्टअप्स में छिपे हुए इसी हुनर को निखारने में मदद करता है। यही कारण है कि एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर इसी मिसाल को कायम करते हुए अपने निरंतर अनथक प्रयासों के कारण ही उन्नत समाज

हिसार। एचएयू के एबिक में स्थित बेकरी व कांफेंशनरी यूनिट का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

का एक अहम हिस्सा और जरूरत बन चुका है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया की नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। इसी दिशा में नाबार्ड की सहायता से एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एग्री और एग्री एलाइड सेक्टर्स में स्टेटस को एक नया आयाम दे रहा है।

हाईटैक मशीनरी सिस्टम से बनेंगे स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टैक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे।

कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं एबिक की टीम मौजूद रही।

स्वास्थ्य व स्वाद समाज की जरूरतः डॉ. सीमा

एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक एवलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजैक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**23.02.2021**	--	--

एचएयू स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट का उद्घाटन

स्टार्टअप्स को नए आयाम देने के लिए प्रयासरत है एबिक : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नये आयाम दे सकते हैं। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट मौजूद रही। मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेंटर इसी मिसाल को कायम करता है और अपने निरंतर अनथक प्रयासों के कारण ही उन्नत समाज का एक अहम हिस्सा और जरूरत बन चुका है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया की नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। इसी दिशा में नाबार्ड की सहायता से एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एग्री और एग्री एलाइड सेक्टर्स में स्टेटस को एक नया आयाम दे रहा है।

स्वास्थ्य व स्वाद समाज की जरूरत

एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि वर्तमान समय में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन एक प्रचलन बन चुका है। स्वास्थ्य और स्वाद दोनों ही समाज की जरूरत है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए एबिक ने नाबार्ड की सहायता से इस बेकरी यूनिट को अपने प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया ताकि इस दिशा में अपने हुनर को और अधिक बढ़ाने की इच्छा रखने वाले स्टार्टअप्स को अच्छी ट्रेनिंग और नए-नए प्रोडक्ट और रिसर्च के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

हाईटैक मशीनरी सिस्टम से बनेंगे स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

बेकरी का संचालन और संरक्षण एबिक चयनित इंक्यूबटीज द्वारा किया जाएगा, जिसकी मॉनिटरिंग एबिक के टेक्निकल मैनेजर अर्पित तनेजा की देखरेख में की जाएगी। टैक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं एबिक की टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**23.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स को नए आयाम देने के लिए प्रयासरत एबिक : समर सिंह

हिसार, 23 फरवरी (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र स्टार्टअप्स को विस्तार देने में हर समर्थ प्रयास कर रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया मिशन को देश के युवा वर्ग ने एक आयाम देने का काम किया है। इसी आयाम को ऊंचाइयों तक ले जाने में एबिक सेंटर की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि व कृषि संबंधित क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यवसायी, किसान, युवा आदि इस केंद्र से जुड़कर हर प्रकार की जानकारी हासिल कर सकते हैं और अपने व्यवसाय को नये आयाम दे सकते हैं। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट मौजूद रही। मुख्यातिथि ने कहा कि हुनर सभी में होता है किसी का छप जाता है और किसी का छिप जाता है। एबिक स्टार्टअप्स में छिपे हुए इसी हुनर को निखारने में मदद करता है। यही कारण है कि एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर इसी मिसाल को कायम करते हुए अपने निरंतर अनथक प्रयासों के कारण ही उन्नत समाज का एक अहम हिस्सा और जरूरत बन चुका है। विशिष्ट अतिथि दीपा गुहा ने बताया की नाबार्ड देश के कृषि वर्ग और कृषि संबंधित व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक व हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है। इसी दिशा में नाबार्ड की सहायता से एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एग्री और एग्री एलाइड सेक्टर्स में स्टेटस को एक नया आयाम दे रहा है।

हिसार : एचएयू के एबिक में स्थित बेकरी व कॉफैन्शनरी यूनिट का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

टैक्नीकल मैनेजर ने बताया कि बेकरी यूनिट मे हाईटेक मशीनरी सिस्टम के साथ मल्टीग्रेन ब्रेड, कुकीज, मफिंस, गार्लिक ब्रेड, केक और बहुत से अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद ऑर्गेनिक मैटेरियल द्वारा तैयार किए जाएंगे और सिखाए भी जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष एवं एबिक की टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**22.02.2021**	--	--

सरसों की फसल में चेपा कीट का प्रकोप, जागरूकता से समाधान करें किसान: कृषि वैज्ञानिक

हिसार/22 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को इस बदलते मौसम में सरसों की फसल में आने वाले कीटों से सुरक्षा के लिए सुझाव दिए हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसान समय रहते कीटों की पहचान करके आसानी से इसकी रोकथाम कर सकते हैं। एचएयू के कृषि महाविद्यालय में तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार व उनकी टीम ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर फसल का जायजा लिया और बताया कि इस समय सरसों की फसल में चेपा कीट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। डॉ. रामअवतार के अनुसार इस समय सरसों की जिस फसल में फूल हैं, उसमें चेपा कीट का आक्रमण देखने को मिला है। इसलिए किसान समय रहते इनकी पहचान कर रोकथाम कर सकते हैं और सरसों की फसल की अच्छी पैदावार ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसान इन कीटों की रोकथाम के उपाय नहीं करेंगे तो फसल की पैदावार कम होने की संभावना है। इसलिए किसान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए जाने वाले कीट नाशकों का प्रयोग कर इनका समय रहते उचित प्रबंध कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को कीटनाशकों का प्रयोग सांयकाल तीन बजे के बाद करने की सलाह दी है ताकि मधुमक्खियों को नुकसान न हो जो परागण द्वारा उपज बढ़ाने में मदद करती हैं। तिलहन अनुभाग के कीट विशेषज्ञ डॉ. दलीप कुमार के अनुसार हल्के हरे-पीले रंग का यह कीट छोटे-छोटे समूहों में रहकर पौधे के विभिन्न भागों विशेषत: कलियों, फूलों, फलियों व टहनियों पर रहकर रस चूसता है। इसका आक्रमण जनवरी के प्रथम पखवाड़े से शुरू होता है, जब औसत तापमान 10 से 20 डिग्री सेल्सियस और आर्द्रता 75 प्रतिशत तक होती है। रस चूसे जाने के कारण पौधे की बढ़वार रूक जाती है, फलियां कम हो जाती हैं और दानों की संख्या में भी कमी आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए खेत में जब 10 प्रतिशत पुष्पित पौधों पर 9 से 19 या औसतन 13 कीट प्रति पौधा होने पर 250 से 400 मिली लीटर डाइमेथोएट (रोगोर) 30 ईसी को 250 से 400 लीटर पानी में मिलकार प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। साग के लिए उगाई गई फसल पर 250 से 400 मिली लीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 से 400 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। यदि आवश्यकता हो तो दूसरा छिड़काव 7 से 10 दिन के उपरांत करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**22.02.2021**	--	--

समस्त हरियाणा | सोमवार, 22 फरवरी, 2021

सरसों की फसल में चेपा कीट का प्रकोप, जागरूकता से समाधान करें किसान : डॉ. रामअवतार

एचएयू के तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों ने सरसों की फसल का जायजा लेने के बाद किसानों के लिए जारी की सलाह

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को इस बदलते मौसम में सरसों की फसल में आने वाले कीटों से सुरक्षा के लिए सुझाव दिए हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसान समय रहते कीटों की पहचान करके आसानी से इसकी रोकथाम कर सकते हैं। एचएयू के कृषि महाविद्यालय में तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार व उनकी टीम ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर फसल का जायजा लिया और बताया कि इस समय सरसों की फसल में चेपा कीट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। डॉ. रामअवतार के अनुसार इस समय सरसों की जिस फसल में फूल हैं, उसमें चेपा कीट का आक्रमण देखने को मिला है। इसलिए किसान समय रहते इनकी पहचान कर रोकथाम कर सकते हैं और सरसों की फसल की अच्छी पैदावार ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसान इन कीटों की रोकथाम के उपाय नहीं करेंगे तो फसल की पैदावार कम होने की संभावना है। इसलिए किसान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए जाने वाले कीट नाशकों का प्रयोग कर इनका समय रहते उचित प्रबंध कर सकते हैं।

तिलहन अनुभाग के कीट विशेषज्ञ डॉ. दलीप कुमार के अनुसार हल्के हरे-पीले रंग का यह कीट छोटे-छोटे समूहों में रहकर पौधे के विभिन्न भागों विशेषतःकलियों, फूलों, फलियों व टहनियों पर रहकर रस चूसता है। इसका आक्रमण जनवरी के प्रथम पखवाड़े से शुरू होता है, जब औसत तापमान 10 से 20 डिग्री सेल्सियस और आर्द्रता 75 प्रतिशत तक होती है। रस चूसे जाने के कारण पौधे की बढ़वार रूक जाती है, फलियां कम हो जाती हैं और दानों की संख्या में भी कमी आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए खेत में जब 10 प्रतिशत पुष्पित पौधों पर 9 से 19 या औसतन 13 कीट प्रति पौधा होने पर 250 से 400 मिली लीटर डाइमेथोएट (रोगोर) 30 ई.सी. को 250 से 400 लीटर पानी में मिलकार प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। साग के लिए उगाई गई फसल पर 250 से 400 मिली लीटर मैलाथियान 50 ई.सी. को 250 से 400 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**23.02.2021**	--	--

विद्यार्थियों को पराली प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 23 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव गंगवा व सातरोड़ के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में स्कूल स्तरीय जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का आयोजन इन सीटू क्रॉप रेजिडू मैनेजमेंट परियोजना के तहत फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर किया गया। यह जानकारी देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस दौरान फसल अवशेष प्रबंधन विषय को लेकर स्लोगन लेखन व पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई जिसमें करीब 200 बच्चों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र जिले

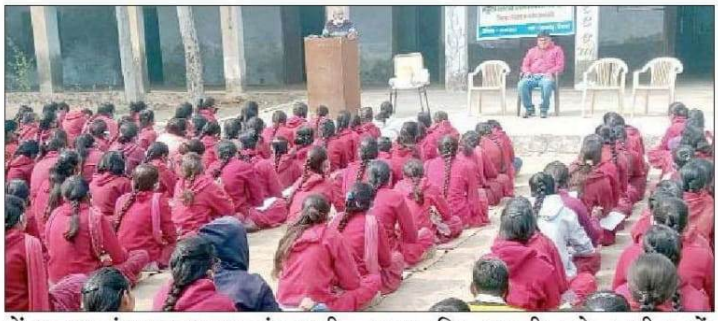

में भूसा प्रबंधन व भूसा प्रबंधन की मशीनों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गांवों में काम कर रहा है और अब 200 एकड़ में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन भी लगाए गए है। समय-समय पर इस तरह के स्कूल व कॉलेज के बच्चों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान व उसके प्रबंधन के बारे में जागरुक करने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। इसी के तहत उक्त दो स्कूलों में इन कार्यक्रमों को आयोजित किया गया। केंद्र के विशेषज्ञ इंजीनियर अजीत सांगवान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पराली को जमीन में मिलाकर भूमि को और अधिक उपजाऊ बनाने कि जरुरत है। उन्होंने कहा कि पराली जलाना किसी भी सूरत में फायदेमंद नहीं है। पराली जलाने से सूक्ष्म जीव व मित्र कीट नष्ट होते हैं जिसकी भरपाई करना बहुत ही मुश्किल है। उन्होंने पराली को जमीन में मिलाने के लिए उपयुक्त मशीनें जैसे रोटावेटर, हैप्पी सीडर, जीरो ड्रिल, बेलर, सुपर सीडर, कंबाइन मशीनें आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में स्कूल के स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 25.2.2021....पृष्ठ संख्या......6..........कॉलम.......2-8.......

एचएयू में पहला ई-म्यूजियम तैयार

5 हजार पुरातन चीजों से रूबरू हो सकेंगे लोग, 22 जिलों के 500 से अधिक गांवों ने किया सहयोग, 6 करोड़ की आएगी लागत, ओपनिंग अगले महीने

3डी पिक्चर के माध्यम से खेतीबाड़ी की उपलब्धि जान सकेंगे, एक क्लिक पर हिंदी या अंग्रेजी में मिलेगी जानकारी

महबूब अली | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी देश की पहली ऐसी यूनिवर्सिटी जहां ई म्यूजियम तैयार हो रहा है। कैंपस में बन रहे इस थ्री डी म्यूजियम में ठेठ हरियाणवी कल्चर और एग्रीकल्चर से जुड़ी करीब 5 हजार पुरानी चीजें भी देखने को मिलेंगी। यहां लोग 3डी पिक्चर के माध्यम से खेतीबाड़ी और एचएयू की तमाम उपलब्धियां देख सकेंगे।

दरअसल, खेतीबाड़ी भी नये दौर में ढल रही है। पुरानी चीजें अब लुप्त प्रायः हो रही हैं। ऐसे में पुरातन और नवीन चीजों का संगम इस म्यूजियम में दिखेगा। डिजिटली और फिजिकल खेती में प्रयोग होने वाली चीजों को करीब से देख सकेंगे। कारीगर अभी जोर-शोर से तैयारियों में जुटे हैं। वर्ष 2018 में म्यूजियम का निर्माण शुरू कराया गया था। करीब 6 करोड़ रुपए की लागत आएगी। एचएयू के वीसी प्रोफेसर समर सिंह व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि मार्च माह में ई-म्यूजियम को लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

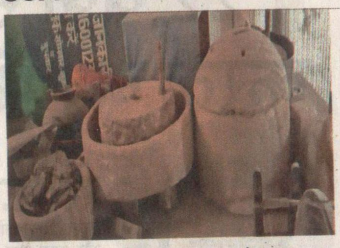

एचएयू के म्यूजियम में पुरानी कल्चर और रहन-सहन से जुड़ी सामग्री।

एचएयू के म्यूजियम में ऋषि मुनियों के समय का रथ।

एचएयू के म्यूजियम में रखा चरखा।

जानिए... कैसे जुटाई म्यूजियम में चीजें

म्यूजियम प्रदेश के 22 जिलों के करीब 500 गांव के लोगों द्वारा दिए गए पुरातत्व कालीन सभ्यता से जुड़ी वस्तुओं के माध्यम से तैयार कराया है। 200 साल पुराने कृषि यंत्र हल, जूवा, फावड़ा आदि से भी रूबरू हो सकेंगे। म्यूजियम में ओडिशा और वेस्ट बंगाल के कारीगरों ने विभिन्न सभ्यताओं को चित्रण के माध्यम से बखूबी समझाया है। जिन्हें डिजिटल प्लेटफार्म में कैद किया गया है। डिजिटल प्लेटफार्म पर लोग कृषि और एचएयू की गतिविधियों की जानकारी एक क्लिक पर अंग्रेजी या हिंदी माध्यम में हासिल कर सकेंगे।

रोचक... 3डी चश्मे से 15 मिनट की फिल्म दिखाई जाएगी

- म्यूजियम में घुसते ही लोगों को 3डी चश्मे से 15 मिनट की फिल्म दिखाई जाएगी।
- चित्रों के माध्यम से कुछ इस तरह से ऋषि मुनियों के काल से लेकर वर्तमान समय का वर्णन किया गया है, जिसमें प्रागतिहास, सिंधू घाटी सभ्यता, वैदिक काल, मुगल साम्राज्य, ब्रिटिश साम्राज्य, स्वतंत्र भारत के रहन-सहन के बारे में जानकारी दी गई है।
- 200 साल पुराने 30 प्रकार के हल, हल को जोड़ने वाला जूवा, फावड़े, कुदाली आदि मौजूद हैं।
- संग्रहालय में जगह-जगह एचएयू के विभिन्न विभाग और कृषि के संबंध में जानकारी देने के लिए डिजिटल बॉक्स लगाए गए हैं।
- दीवार पर बनाई विशेष प्रकार की पेंटिंग डिजाइन की गई है।

समझिए... म्यूजियम में रखे सामान की खासियत

- **प्रागितिहास** : प्रागितिहास के इतिहास को शो करती विशेष प्रकार की डिजाइन दीवार पर बनाई गई है। जिसमें दिखाया गया है कि मनुष्य ने इस काल में पत्थर और औजारों का प्रयोग शुरू कर दिया। किस तरह मनुष्य प्रयोग करता था।
- **सिंधू घाटी सभ्यता** : चित्रण में दिखाया गया है कि मोहनजोदाड़ो और हड़प्पा के बड़े शहरों में लोगों की संख्या बढ़ गई थी तथा लोगों ने घर बनाकर बैलों आदि के माध्यम से खेती शुरू की थी।
- **कढ़ाहा** : 1900 शताब्दी का है, जिसमें एक साथ 200 से अधिक लोगों का खाना एक साथ बनाया जा सकता है।
- **ढोल** : यह 1800 शताब्दी का बताया गया है, जो पुराने समय में गांव में लोगों को जानकारी देने के लिए बजाया जाता था।
- **महिला और बैल की मूर्तिः** महलों के अंदर रखे जाने वाले बैल, महिलाओं की मूर्ति।
- **ऋषि मुनियों के समय का रथ** : ऋषि मुनियों के समय का चूल्हा, चौकी, दीये, हवन कुंड पिलाण, ताशा मौजूद हैं, चौकी पर जातिमीय डिजाइन बनाए गए हैं, जिसमें छोटे-छोटे फूल भी उकेरे गए हैं। यह रथ शादी ब्याह में प्रयोग किया जाता था।
- **प्रतिमाएं और मुद्राएं** : खुदाई से प्राप्त प्रतिमाएं एवं मुद्राएं संकलित की गई, जो 8वीं और 9वीं सदी की प्रतीत होती है शिव पार्वती, गणेश की प्रतिमाएं भी हैं।

विवि के ई-म्यूजियम को टूरिज्म हब के रूप में विकसित कराया जाएगा। म्यूजियम को चालू करने की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। विभागीय अधिकारियों को भी दिशा निर्देश दिए हैं।'' **प्रो. समर सिंह,** कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 25.2.2021 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 2-8

फरवरी में नारनौल-हिसार ने तोड़ा पिछले साल का रिकार्ड, हिसार में पारा 32 डिग्री पर

बदलाव प्रकृति का नियम : मौसम परिवर्तन के साथ-साथ प्रकृति ने भी अपने आपको बदलना शुरू कर दिया है। पेड़ों पर जहां नए पत्ते आ रहे हैं और पुराने पत्ते पेड़ों से गिर रहे हैं। यह माने संदेश दे रहे हैं कि बदलाव ही प्रकृति का नियम है। हिसार के टाउन पार्क में पत्तों के ऊपर से गुजरती युवती। • गुलशन बजाज

जागरण संवाददाता, हिसार : सर्दी के मौसम गर्मी के लिए अपना ही रिकार्ड तोड़ता दिख रहा है। प्रदेश के नारनौल और हिसार में दिन के समय सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया है। नारनौल में सामान्य से आठ डिग्री अधिक 33.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

हिसार में दिन का तापमान सात डिग्री अधिक रहकर 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस तापमान ने अपने पिछले वर्ष का रिकार्ड तोड़ा है। पिछले वर्ष फरवरी माह में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक रहा था। इस बार गर्मी भी सामान्य से अधिक पड़ने की मौसम विभाग संभावना जता रहा है।

आसपास के प्रदेशों से भी अधिक है गर्मी

मंगलवार को इतना अधिक तापमान होने से लोगों को इस कदर गर्मी का अहसास हुआ कि उन्होंने एसी तक चला लिए। आसपास के प्रदेशों को देखें तो राजस्थान को छोड़कर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब के कई शहरों से भी अधिक तापमान नारनौल और हिसार में है। वहीं हिसार में रात्रि तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहकर 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मगर दिन के तापमान में किसानों को चिंता में डालने का काम किया है।

सरसों में यह आ रही समस्या

रबी के मौसम में हरियाणा में रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, सिरसा, हिसार, भिवानी व मेवात जिलों में सरसों की फसल मुख्य रूप से उगाई जाती है। इनमें से कुछ क्षेत्रों में चेपा कीट से होने वाले रोग किसानों के सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी ऐसी स्थिति को देखकर अलर्ट है। यहां विज्ञानी सलाह दे रहे हैं कि किसान रोग पहचाने और आवश्यकतानुसार दवा का प्रयोग करें। किसान इन कीटों की रोकथाम के उपाय नहीं करेंगे तो फसल की पैदावार कम होने की संभावना है।

तापमान बढ़ने के यह हैं तीन कारण

- गर्मी बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं इसमें पहला कारण है कि दक्षिणी पश्चिमी और पश्चिमी हवा चलने से तापमान बढ़ रहा है।
- दूसरा कारण है कि पश्चिमी विक्षोभ मैदानी क्षेत्रों में न जाकर पहाड़ों की तरफ जा रहे हैं, उससे हवा में बार-बार बदलाव हो रहा है।
- तीसरा कारण है कि मध्य भारत में पुरवाई हवा अधिक चलने के कारण एंटी साइक्लोनिक सिस्टम राजस्थान के पास बना हुआ है। जिससे बार बार हवा में बदलाव हो रहा है।

33 डिग्री से अधिक रहा नारनौल का तापमान

मौसम

- राजस्थान में एंटी साइक्लोनिक सिस्टम बनने से चली हवाओं ने बढ़ाई गर्मी नारनौल में सामान्य से आठ व हिसार में सात डिग्री अधिक रहा दिन का तापमान

" गर्मी इस मौसम से लगभग शुरू हो जाती है। पिछले वर्ष से इस बार अधिक गर्मी दिख रही है। आगे मौसम को लेकर जल्द विभाग और अधिक स्पष्टता जारी करेगा।

सुरेंद्र पॉल, निदेशक, भारत मौसम विभाग, चंडीगढ़

28 फरवरी के बाद मौसम में होगा बदलाव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि राज्य में मौसम आमतौर पर 27 फरवरी तक खुश्क रहने, दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने तथा उत्तर पश्चिमी हवा चलने से रात्रि तापमन में हल्की गिरावट होने की संभावना है। परंतु पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण 28 फरवरी से मौसम में बदलाव संभावित है।